Punjab Files
ਪੰਜਾਬੀ ਸਨਾਤਨੀ ਦੀ ਆਵਾਜ਼

YEAR 1994

लुधियाना में 20 बम मिले

लुधियाना, 13 फरवरी (मुसाफिर): लुधियाना में आज 20 बम बरामद होने से हलचल मच गई। ये बम बहादुरके रोड, नई दाना मंडी के पास गंदगी के ढेरों में दो जगह पड़े मिले। एक जगह 7 बम मिले जबकि 13 दूसरी जगह पड़े थे।

पुलिस को इस सिलसिले में कुछ सूचना मिली थी, जिसके बाद सारे क्षेत्र की घेराबंदी करदी गई थी। सेना के विशेषज्ञों ने आकर इनको कूड़े सेबाहर निकाला। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि ये बम किसने वहां फैंके।

'धीमान' के अनुसार श्री सुमेध सिंह सैनी एस.एस.पी. ने ढंडारी कलां बम कांड में हर मृतक के परिवार को उद्योगपतियों से 50-50 हजार दिला कर साढ़े चार लाख रुपए मुआवजा दिलाने का प्रबन्ध किया है।

उद्योगपतियों का एक शिष्टमंडल श्री टी.डी. शर्मा प्रधान अपैक्स चैम्बर के नेतृत्व में श्री सैनी से मिला। मीटिंग में यह पास हुआ कि भविष्य में कोई भी उद्योगपति कुवैत से स्क्रैप आयात नहीं करेगा क्योंकि इसमें विस्फोटक सामग्री होती है जो किसी भी समय जानलेवा हो सकती है।

Punjabi Sanatani

मोहाली में दो सुरक्षा गार्डों की हत्या

चंडीगढ़, 22 फरवरी (प.स., वार्ता): यहां से 10 किलोमीटर दूर मोहाली के अतिरिक्त जिलाधीश के दो सुरक्षा गार्ड आज मृत पाए गए।

पुलिस सूत्रों के अनुसार उनकी हत्या तेज़ धार हथियारों से की गई। घटना की सूचना मिलते ही वरिष्ठ पुलिस एवं नागरिक प्रशासनिक अधिकारी घटनास्थल पर पहुंच गए। सुरक्षा बलों ने हथियारों की खोज के लिए ज़ोरदार अभियान शुरू कर दिया है। पुलिस ने धारा-302 के तहत केस दर्ज कर लिया गया है।

मोहाली (नर्बदा): आज मोहाली के फेज-5 में स्थित एन.ए.सी. परिसर के मुख्य द्वार पर कुछ अज्ञात लोगों ने वहां तैनात 2 एस.पी.ओज. की गोली चला कर तथा तेज़ धार हथियारों का प्रयोग करके हत्या कर दी।

रोपड़ के एस.एस.पी. श्री अजीत संधू, मोहाली के एस.पी. श्री सतिंदर पाल बसरा व डी.एस.पी. श्री राकेश कौशल ने बताया कि हत्यारे बाद में मृतकों के हथियार व गोली-सिक्का लेकर फरार हो गए। उन्होंने बताया कि मृतकों की शिनाख्त पंजाब पुलिस के एस.पी.ओज. विजय कांत व मुनारिका प्रसाद के रूप में की गई है।

उल्लेखनीय है कि एन.ए.सी. परिसर में मोहाली के पूर्व ए.डी.सी. श्री मनदीप सिंह का निवास स्थान है। वह भी रात्रि के समय घर पर ही थे।

बताया जाता है कि आज प्रातः हत्यारे आए तथा गेट पर तैनात एस.पी.ओज. विजय कांत पर तेज़ धार हथियार से हमला कर दिया, जिससे उसकी मृत्यु हो गई। हत्यारे इसके बाद उसकी बंदूक लेकर परिसर की कोठी नम्बर-1984 में जा घुसे, जहां उन्होंने सोए पड़े सुरक्षा गार्ड मुनारिका प्रसाद की छीनी गई 303 राइफल से गोली मार कर हत्या कर दी। बाद में हत्यारे आरी से वहां पड़ा हथियारों वाला बक्सा काट कर उसमें पड़ी 303 की तीन राइफलें, एक कार्बाइन व काफी मात्रा में कारतूस लेकर फरार हो गए।

वर्षा तथा आंधी के कारण हत्याकांड का आज सुबह लगभग 7 बजे पता चल सका। श्री संधू के अनुसार हत्यारों की संख्या दो से अधिक हो सकती है। बताया जाता है कि इस पूरे कांड में एक ही गोली चलाई गई। उन्होंने बताया कि यह आतंकवाद या निजी शत्रुता का मामला हो सकता है। इस बारे अभी कुछ नहीं कहा जा सकता है। उन्होंने बताया कि मृतक विजय कांत पुत्र नंद किशोर चंडीगढ़ के गांव धनास तथा मुनारिका प्रसाद पुत्र शत्रुघ्न प्रसाद बिहार का रहने वाला था।

मोहाली में मंगलवार को एन.ए.सी. परिसर में पंजाब के दो एस.पी.ओज़ की हत्या कर दी गई। (ऊपर) मौका-ए-वारदात पर पुलिस अधिकारी बिखरे हुए खून के करीब निरीक्षण करते हुए। (नीचे) दोनों मृत एस.पी.ओज़। (छाया: अनिल पुरी)

Punjabi Sanatani

लुधियाना में बम फटने से 3 महिलाओं समेत 10 लोग मरे

चंडीगढ़, 7 फरवरी (पस, वा.): आज दोपहर बाद लुधियाना में हुए बम विस्फोट से 3 महिलाओं और एक बच्चे समेत10 लोगों की मौत हो गई जबकि 5 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पंजाब में पिछले 24 घंटों के दौरान सुरक्षा बलों ने एक अज्ञात उग्रवादी को मार गिराया।

विस्फोट से 10 लोगों की मौत : लुधियाना (महेन्द्रा): आज दोपहर बाद यहां लगभग पौने तीन बजे ढंढारी कलां चौक (निकट चुंगी नगर निगम) जी.टी. रोड पर एक ट्रक में बम फटने से 10लोग मारे गए। ट्रक का नम्बर पी.बी.-10-9426 है।

मरने वालों में अमरजीत सिंह ड्राइवर, राम बिलास मजदूर, लाला नंदपुर, जोगेन्द्र सिंह नंदपुर, बिट्टू, अमर सिंह, श्रीमती बंगो (बंसो), गुड्डू समराला, नीलम समराला शामिल हैं। इसके अतिरिक्त पांच व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हुए हैं। ड्राइवर के अतिरिक्त शेष मरने वाले सभी प्रवासी श्रमिक हैं। जब बम फटा तो छः व्यक्ति घटनास्थल पर ही मारे गए थे, जबकि शेष अस्पताल जा कर दम तोड़ गए।

बताया जाता है कि यहां आकर कबाड़ का माल बिकता है। चुंगी के निकट ड्राइवर ने ट्रक थोड़ी देर के लिए रोक लिया। वहां अक्सर मजदूर स्क्रैप आदि के लिए खड़े रहते हैं। ड्राइवर जो स्क्रैप का मालिक भी था, वहां माल बेचने को लाया था। फटे बम के अतिरिक्त घटनास्थल से दो राकेट टाइप बम भी मिले हैं। यह स्क्रैप सैनिक सामान का था।

'धीमान' के अनुसार पुलिस अधीक्षक श्री सुमेध सिंह सैनी ने बताया कि हमने सैनिक विशेषज्ञों को बुलाया है ताकि यह पता चल सके कि यह किस प्रकार के बम हैं। सारा स्क्रैप जंग से भरा पड़ा है। ड्राइवर के सिर का काफी हिस्सा उड़ गया है।

घटना की सूचना मिलते ही सर्वश्री शिव कुमार, जी.एन. सभ्रवाल, बी.एस. ग्रेवाल, पी.पी.एस. संधु (चारों एस.पी.) भारी फोर्स के साथ घटनास्थल पर पहुंच गए। पुलिस बड़ी सरगर्मी के साथ मामले की जांच कर रही है। श्री सैनी का कहना है कि यह ट्रक पठानकोट की ओर से घटनास्थल पर पहुंचा था। इसमें एक बोरी स्क्रैप से भरी हुई थी। ड्राइवर ने इस स्क्रैप की मंडी लगा ली और इसको बेचने लगा। वहां

Punjabi Sanatani

लुधियाना में हुए बम विस्फोट वाले स्थान पर पड़े एक राकेटनुमा बम का निरीक्षण करते हुए एक सैनिक अधिकारी। *(फोटो: कम्बोज)*

कुछ लोग एकत्रित हो गए। इस लालच में कि इस स्क्रैप से पीतल मिल जाएगा, उन्होंने इसको छांटना और उधर-उधर करना शुरू कर दिया। इस बीच उस स्क्रैप में पड़ा एक पुराना बम फट गया।

जिलाधीश श्री एस.एस. चन्नी ने कहा कि ढंढारी कलां चौक में हुए धमाके का आतंकवाद के साथ संबंध नहीं है। असल में स्क्रैप के रूप में पीतल खरीदा गया था, जिसके साथ बारूद भी आ गया। ट्रक में पड़े पीतल के बीच से और बारूद भी बरामद हुा है, जिसे जमीन में दबा दिया गया है।

'कम्बोज' के अनुसार पता चला है कि जब समान ट्रक से नीचे फैंका जा रहा था तो उसमें ड़ी बमुमा चीज फट गई। मरने वाले 6 कबाड़िये हैं। पुलि के अनुसार ट्रक किसी ढलाई मिल का था।

बेअंत सिंह द्वारा शोक व्यक्त : चंडीगढ़ : पंजाब के मुख्यमंत्री श्री बेअंत सिंह ने बम विस्फोट की घटना पर शोक व्यक्त करते हुए मृतों के परिवारों से सहानुभुति व्यक्त की है। उन्होंने प्रज्ञसन से कहा है कि मृतकों के परिवारों को तुरंत आर्थिक मदद दी जाए तथा घायलों को डाक्टरी सेवा उपलब्ध कराई जाए।

इस बीच श्री बेअंत सिंह तथा पुलिस महानिशक के.पी.एस. गिल के अनुसार लुधियाना में आज हुए बम विस्फोट में आतंकवादियों का हाथ नहीं है। उन्होंने कहा कि विस्फोट फायरिंग रेंज से कचा ले जा रहे एक ट्रक में हुआ। जांच चल रही है।

एक उग्रवादी मरा : सुनाम (नागपाल): गत रात थाना धूरी के गांव चट्ठा नंदेड़ के निकट सुरक्षा बलों के साथ हुए मुकाबले में एक उग्रवादी मारा गया। बताया जाता है कि पुलिस पार्टी ने गांव के पास नाका लगाया हुआ था कि रात पौने दो बजे के करीब एक व्यक्ति आता दिखाई दिया। उसे रुकने का इशारा किया गया लेकिन उसने गोलियां चलानी शुरू कर दीं। सुरक्षा बलों ने भी जवाबी गोलियां चलाईं। लगभग 20 मिनट तक चले मुकाबले के बाद जब क्षेत्र की तलाशी ली गई तो एक लाश मिली। मृत उग्रवादी की शिनाख्त नहीं हो सकी।

मुठभेड़ में महेन्द्र फौजी गैंग का सदस्य अजीत सुनपुरा मारा

गाजियाबाद, 7 फरवरी (वार्ता): कुख्यात महेन्द्र फौजी गैंग का प्रमुख आतंकवादी अजीत सुनपुरा आज यहां पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ में मारा गया। पुलिस ने बताया कि उसे जिन्दा या मुर्दा पकड़ने के लिए पचास हजार रुपए का नगद इनाम था वह विजयनगर बाईपास के निकट मारा गया। उसके पास से एक स्टेनगन और एक मैगजीन बरामद हुई।

KLF leader killed, 11 surrender

CHANDIGARH, March 10 (UNI) – Dreaded militant Gurmeet Singh, alias Meeta, deputy chief of Khalistan Liberation Force (KLF) of Malwa region, was killed in Ropar district last night.

Elsewhere in Punjab, 11 militants surrendered during the past 24 hours.

In a two-hour-long encounter, security forces gunned down Gurmeet Singh, alias Meeta, near Bassi Gujran village in Ropar district last night. One AK047 rifle and 100 cartridges were recovered from the slain militant.

District police chief Ajit Singh Sidhu said that Gurmeet was responsible for more than 150 killings and carried a reward of Rs 10 lakh on his head.

Following a brief encounter, six terrorists surrendered to the police at the farmhouse of Waraien village's former sarpanch Kashmir Singh last night. They were identified by the police as Satnam Singh, Surinder Singh, Jaspal Singh, Surinder Singh Nihang, Buta and Bhoga. One pistol was recovered from Satnam Singh.

Twentyfour militants surrendered before the authorities at Fatehgarh Sahib last evening. Later 19 of them were released while five, identified as Nirmal Singh, Harminder Singh, Sarup Singh, Dayal Singh and Beant Singh, were arrested for their involvement in terrorists activities. One 9-mm pistol and two 32-bore revolvers were recovered from them.

उग्रवादियों की फायरिंग से बी.एस.एफ. जवान मरा

बटाला, 13 अप्रैल (चौधरी): भारत-पाक सीमा पर पाकिस्तानी क्षेत्र से उग्रवादियों द्वारा की गई फायरिंग से एक बी.एस.एफ. जवान मारा गया।

बताया जाता है कि गत सायं 7.30 बजे के लगभग 32 बटालियन बी.एस.एफ. की नाका पार्टी बोहड़ वडाला से जा रही थी कि सौरकलां के पास 7-8 उग्रवादियों ने पाकिस्तानी क्षेत्र से फायरिंग कर दी, जिससे एक जवान नसरुद्दीन अहमद मारा गया। बी.एस.एफ. जवानों ने जवाबी फायरिंग की, जिस पर उग्रवादी भाग गए। ऐसा महसूस किया जा रहा है कि यह फायरिंग घुसपैठ कराने के प्रयास में की गई।

Punjabi Sanatani

पंजाब में वारदातें
(पृष्ठ 3 का शेष)

मुखवंत की पत्नी व बच्चे सो रहे थे, के पास अज्ञात शस्त्रधारियों ने उसे भी गोली मार कर ठंडा कर दिया।

श्री शर्मा ने आगे बताया कि मृत भाइयों का चचेरा भाई, जो इसी हवेली के अंदर बने एक कमरे में रहता था, गोली की आवाज सुन कर तत्काल बाहर निकला मगर अज्ञात शस्त्रधारियों द्वारा उसे धमकाने पर उसने फौरन अपने आप को अपने कमरे में बंद कर लिया।

इसी प्रकार अज्ञात शस्त्रधारियों ने एक कमरे में सो रही मुखवंत सिंह की बीवी प्यारो व दो बच्चों की भी निर्ममता से हत्या कर दी और जाते-जाते मुखवंत सिंह को भी मार गए।

मृत भाइयों की विधवा मां कृपाल कौर अपने बेटे बचित्र सिंह के साथ इसी गांव में कुछ दूरी पर अलग रहती है। सुबह 6 बजे पुलिस को बचित्र सिंह ने ही सूचित किया।

श्री शर्मा ने आगे बताया कि पुलिस सूचना पाकर तत्काल हरकत में आ गई और देखते ही देखते पुलिस ने गांव के साथ-साथ सारे क्षेत्र की घेराबंदी कर ली ताकि अज्ञात हत्यारों का सुराग मिल सके। पुलिस ने कुत्ता स्कवैड की भी सहायता ली मगर हवेली में गांववासियों का जमघट होने के कारण कोई सफलता नहीं मिली।

Punjabi Sanatani

जीरा के गांव में अज्ञात शस्त्रधारियों द्वारा एक ही परिवार के 8 सदस्यों की हत्या

फिरोजपुर, 19 अप्रैल (जगदीप कंतोड़): करीब पौने दो साल के अंतराल के बाद इस सीमांत जिले की अत्यधिक संवेदनशील सब-डिवीजन जीरा के तहत पुलिस थाना धर्मकोट के अंतर्गत गांव ढोलेवाला में गत रात्रि कुछ अज्ञात शस्त्रधारियों ने एक ही परिवार के आठ सदस्यों को मौत के घाट उतार दिया।

घटनास्थल पर इस संवाददाता को जिला के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री सतीश कुमार शर्मा ने बताया कि गांव में स्थित हवेलीनुमा मकान में सुखवंत सिंह और उसका भाई भूपेन्द्र सिंह अपने परिवार समेत रहते थे। गत रात्रि कुछ अज्ञात शस्त्रधारियों, जिनकी संख्या तो अभी तक ज्ञात नहीं हो सकी, ने उक्त हवेली में सो रहे सुखवंत सिंह, उसकी धर्मपत्नी प्यारो दो मासूम पुत्रियों गुरजीत कौर और गुगु के अतिरिक्त सुखवंत के भाई भूपेन्द्र सिंह, उसकी पत्नी जोगिन्द्र कौर व दो मासूम लड़कों दविन्द्र सिंह और हरजिन्द्र सिंह की बारी-बारी से गोली मार कर हत्या कर दी।

श्री शर्मा ने बताया कि जिस हवेली में ये रहते थे, वह हवेली पाकिस्तान के भूतपूर्व राष्ट्रपति स्वर्गीय जिया उल हक के नाना की थी। इसी गांव में (बंटवारे से पूर्व) जिया उल हक का ननिहाल हुआ करता था। ऐसा श्री शर्मा को उक्त गांव का पुराना रिकार्ड देखने से पता चला।

दोनों मृत भाइयों के अतिरिक्त उनके चाचा का लड़का भी उसी हवेली में रह रहा है। उसने पुलिस अधिकारियों को बताया कि चूंकि हवेली में भर्ती आदि पड़ रही है, इसलिए दरवाजा खुला ही रहता था। हवेली के अंदर प्रवेश करते ही एक कमरे में सुखवंत सिंह सो रहा था। अज्ञात शस्त्रधारियों का एक आदमी वहां तैनात था ताकि अगर किसी किस्म का कोई खतरा महसूस हो तो तत्काल अपने साथियों को सूचित कर सके। सबसे पहले शस्त्रधारियों ने हवेली के अंदर कोने में बने कमरे, जहां भूपेन्द्र सिंह अपने परिवार के साथ सो रहा था, के अंदर घुस कर गोली मारी। जिससे उसकी बीवी जोगिन्द्र कौर बदहवास सी होकर भागकर बाहर बरामदे में दौड़ आई। एक कमरा, जो बरामदे में पड़ता था तथा जहां

(शेष पृष्ठ 14 पर)

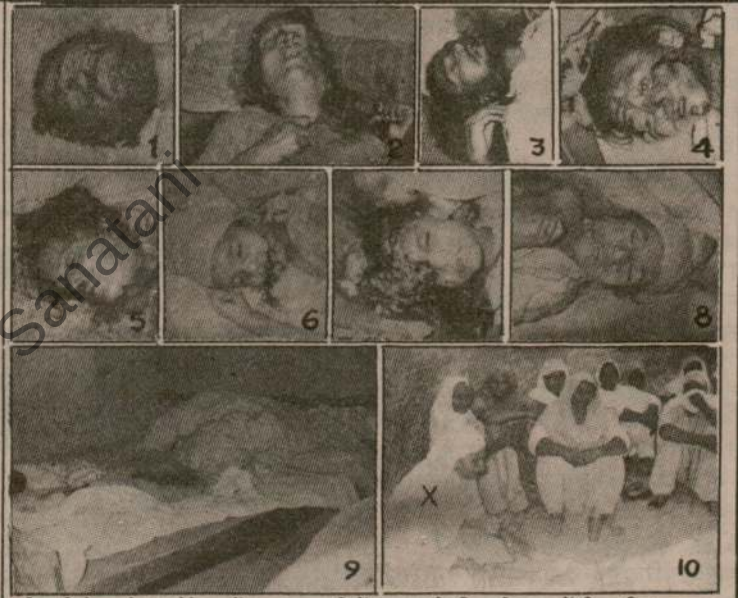

जिला फिरोजपुर के गांव ढोलेवाल में अज्ञात शस्त्रधारियों द्वारा एक ही परिवार के 8 सदस्यों की सामूहिक हत्या कर दी गई। चित्र में (1 से 8 तक) भूपेन्द्र सिंह, प्यारो, सुखवंत सिंह, गुरजीत कौर, हरजीत कौर, गुग्गु, जोगिन्द्र कौर तथा गुरजीत सिंह के शव, (चित्र 9) कमरे में मृतकों के खून से लथपथ कपड़े व (चित्र 10) में मृतकों की मां (X) तथा अन्य महिलाएं। (छाया: कन्तोड़)

Punjabi Sanatani

पंजाब में वारदातें...

(पृष्ठ 3 का शेष)

हुए हैं, उनमें ये उग्रवादी संलिप्त थे। इन्होंने नेपाल में एक प्रमुख नेता आसा सिंह की हत्या के साथ-साथ जम्मू में पुलिस इंस्पैक्टर उदयवीर सिंह की बम फैंक कर हत्या की थी।

प्रवक्ता ने कहा कि इस वर्ष फरवरी में अमृतसर में जो विस्फोट हुआ था, उसमें भी इनका हाथ था।

जिला सूत्रों के अनुसार बटाला जिला पुलिस को गत समय से गुप्त सूचनाएं उपलब्ध हो रही थीं कि जम्मू-कश्मीर खालिस्तान जिंदाबाद फोर्स व जम्मू-कश्मीर लिबरेशन फ्रंट के खतरनाक उग्रवादी आपसी तालमेल से जम्मू के निकटवर्ती पंजाब के सीमावर्ती क्षेत्रों बटाला, गुरदासपुर व अमृतसर के मंड आदि में शरण लेने हेतु घुसपैठ करने के चक्कर में हैं।

प्रवक्ता ने कहा कि आई.एस.आई. के निर्देश पर आगामी मास जून में आप्रेशन ब्ल्यू स्टार के संबंध में मनाए जा रहे 'घल्लूघारा सप्ताह' के दौरान उग्रवादियों की अमृतसर व दिल्ली में बम विस्फोट करने की योजना थी।

Punjabi Sanatani

पुलिस जिला बटाला में सुरक्षा बलों के साथ भिड़ंत में मारे गए उग्रवादी (ऊपर) खालिस्तान जिंदाबाद फोर्स का चीफ अमरपाल सिंह, डिप्टी चीफ गुरदीप सिंह व एरिया कमांडर हरपाल सिंह, (मध्य) मारे गए तीन अज्ञात उग्रवादी, (नीचे) इन उग्रवादियों से बरामद शस्त्रास्त्र। (फोटो: कोछड़)

Punjab Sanatani

के.जैड.एफ. के चीफ व डिप्टी चीफ सहित 6 दुर्दांत उग्रवादी मरे : भारी परिमाण में शस्त्र बरामद

चंडीगढ़, 12 मई (बा.): सुरक्षा बलों ने गत रात एक बड़ी सफलता उस समय प्राप्त की जब उन्होंने जम्मू स्थित उग्रवादी संगठन खालिस्तान जिन्दाबाद फोर्स (के.जैड.एफ.) के 6 उग्रवादियों को पंजाब में मार गिराया तथा भारी मात्रा में शस्त्रास्त्र बरामद किए।

राज्य पुलिस के चीफ श्री के.पी.एस. गिल ने बताया है कि दो अलग-अलग भिड़तों में सुरक्षा बलों ने पुलिस जिला बटाला के गांवों बहादुरपुर राजोआ तथा औलख के पास 6 उग्रवादियों को मारा गिराया। इनमें एक मुस्लिम उग्रवादी भी शामिल है।

श्री गिल ने इनमें से तीन के नाम इस प्रकार बताए हैं : अमरपाल सिंह उर्फ मास्टर, गुरदीप सिंह उर्फ नेपाली तथा हरपाल सिंह जबलपुरी। श्री गिल के अनुसार मास्टर इस संगठन का चीफ था जबकि नेपाली डिप्टी चीफ था। जबलपुरी एरिया कमांडर था।

बटाला (कोछड़, चौधरी) : मृतक उग्रवादी अमरपाल लिंह उर्फ मास्टर व हरपाल सिंह जबलपुरी का जम्मू व आसपास के क्षेत्रों में अत्यन्त आतंक व्याप्त था।

मौका से तीन ए.के. 47 राइफलें, 22, 30, 32 बोर की तीन पिस्तौलें, 10 हथगोले, दो थैलों में पड़ा लगभग 80 किलो विस्फोटक, 50 ठोस व 14 तरल जिलेटीन छड़ें, 2 टाइम बम स्टिक्स, 50 डैटोनेटर, 90 सेक्टी फ्यूज, 6 वूबी ट्रैप्स, 30 मीटर तार, 2 वायरलैस सैट, 640 जिंदा कारतूस, एक पीले रंग का ट्रक बरामद हुआ। इसके अलावा संगठन के करीब 400 लैटरहैड्स भी मिले हैं।

यहां पुलिस के प्रवक्ता ने कहा है कि इन उग्रवादियों की मंड क्षेत्र की ओर घुसपैठ के संबंध में एस.एस.पी. श्री रोहित चौधरी को गुप्त सूचना मिली थी, जिसके आधार पर डिटैक्टिव विभाग के एस.पी. श्री मदन गोपाल और डी.एस.पी. श्री अजायब सिंह ने और थाना सदर के एस.एच.ओ. श्री राजबीर सिंह ने फोर्स सहित विशेष नाके लगा रखे थे।

घेरे में आ जाने के कारण उग्रवादी हरपाल सिंह उर्फ जबलपुरी ने सायनायड खा कर आत्महत्या कर ली। जो लैटरहैड्स मिले हैं, उन पर खालिस्तान जिंदाबाद व खालिस्तान जिंदाबाद (आजाद बब्बर) छपा हुआ है।

मृतक उग्रवादी अमरपाल सिंह उर्फ मास्टर के पास से हिजबुल मुजाहिदीन (कश्मीरी उग्रवादी संगठनों) के एक आतंकवादी उमर खाऊद द्वारा लिखा पत्र मिला है। इसमें लिखा है कि जम्मू-कश्मीर इंका के प्रधान व सांसद गुलाम रसूल कार या इनकी बेटी का अपहरण कर लिया जाए, इससे समस्याओं का समाधान हो जाएगा।

प्रवक्ता ने कहा कि अब तक जितने गोलीकांड

(शेष पृष्ठ 14 पर)

दाऊद, टाइगर मेमन व 42 अन्य के लिए 1.40 करोड़ के ईनाम घोषित

नई दिल्ली, 12 मई (प.स.): केन्द्रीय जांच ब्यूरो ने पिछले वर्ष बम्बई में हुए बम विस्फोटों के मुख्य अभियुक्त दाऊद इब्राहीम और इब्राहीम अब्दुल रजाक मेमन उर्फ टाइगर मेमन सहित 44 लोगों के खिलाफ कुल एक करोड़ चालीस लाख रुपए के ईनामों की घोषणा की है। ये सभी लोग फरार हैं।

ब्यूरो द्वारा आज यहां जारी विज्ञप्ति के अनुसार ईनाम की सबसे ज्यादा राशि दाऊद इब्राहीम और टाइगर मेमन के लिए क्रमशः 15-15 लाख रुपए घोषित की गई है। दाऊद के छोटे भाई मोहम्मद अहमद दोसा और अनीस इब्राहीम के लिए दस-दस लाख रुपए का ईनाम है।

44 भगौड़ों में से 24 के बारे में आशंका है कि वे विदेश भाग गए हैं। इनमें 9 तो मेमन परिवार के सदस्य हैं।

केन्द्रीय जांच ब्यूरो के अब तक के जांच नतीजों से पता चलता है कि दाऊद इब्राहीम, टाइगर मेमन, मोहम्मद अहमद दोसा और कुछ अन्य संदिग्धों ने मिल कर दिसंबर 1992 में किसी समय बम्बई में आतंक पैदा करने के उद्देश्य से बम विस्फोटों का षड्यंत्र रचा था।

पंजाब में वारदातें...
(पृष्ठ 3 का शेष)

हमला कर दिया जिसमें कुख्यात आतंकवादी सुखविन्दर सिंह सुक्खी मारा गया तथा उसका दूसरा साथी भाग निकलने में सफल हो गया। पुलिस को संदेह है कि भागने वाला करनैल सिंह कैली ही है।

श्री सहोता के अनुसार मारा गया आतंकवादी सुखविन्दर सिंह उर्फ सुक्खी बी.टी.एफ. का स्वयंभू चीफ था, जिसकी पुलिस को 100 से अधिक मामलों में तलाश थी। पूलिस ने दावा किया है कि सूक्खी के

फतेहगढ़ साहब जिले के गांव सलार माजरा में पुलिस मुठभेड़ में मारा गया आतंकवादी सुखविन्दर सिंह उर्फ सुक्खी तथा (नीचे) उससे बरामद हथियार।

कुख्यात आतंकवादी सुक्खी पुलिस मुठभेड़ में मारा गया

चंडीगढ़, 15 मई (वार्ता) : गत रात्रि पंजाब में एक आतंकवादी मारा गया।

फतेहगढ़ साहिब : गत रात्रि फतेहगढ़ साहिब जिले के गांव सलारमाजरा के निकट पुलिस मुठभेड़ में भिडरांवाले टाइगर्स फोर्स (संघा ग्रुप) की ए सूची का आतंकवादी सुखविन्दर सिंह उर्फ सुक्खी वासी गगड़ा मारा गया, जबकि इस मुकाबले के दौरान फतेहगढ़ साहिब जिले के श्री अशोक पुरी डी.एस.पी. (डी.) जख्मी हो गए, जिन्हें अस्पताल में दाखिल करा दिया गया है। अब उनकी हालत खतरे से बाहर है।

जिला पुलिस प्रमुख श्री इकबाल प्रीत सिंह सहोता के अनुसार कल रात्रि बी.टी.एफ. ग्रुप से सम्बन्धित करनैल सिंह उर्फ कैली वासी छोटा सामाना अपने साथियों सहित मंडी गोबिन्दगढ़ के निकट कोई वारदात करने की इच्छा से घूम रहा था। सूचना मिलने पर जिला पुलिस ने इलाके में सख्त नाकाबंदी कर ली तथा एक पुलिस पार्टी, जिसका नेतृत्व श्री नरेन्द्र भार्गव एस.पी. (डी.) फतेहगढ़ साहिब कर रहे थे, की गश्त के दौरान गांव सलारमाजरा के निकट आतंकवादियों के इस ग्रुप ने पुलिस पार्टी पर

(शेष पृष्ठ 16 पर)

Six of family murdered

Tribune News Service

JALANDHAR, July 1 — Seven persons including two women and four children, were today murdered in two different incidents in Jalandhar City.

Kartar Singh (50), a Railway employee who was working as a pumpfitter, Joginder Kaur (40), his wife, Saranjit Kaur (12), Harjit Kaur (six) Daljit Kaur (three), all daughters, and Amritpal Singh (one), son, were found strangulated in their house in Bashirpura this morning.

The police believe that Kartar Singh and Amritpal Singh who were sleeping in the verandah were first murdered. The killers later entered the two-room house and strangulated the rest of the family.

Mr Jaskaran Singh, SP-D, said that personal enmity might be the cause of the crime as no belongings had apparently been found missing from the house.

In another case Kamaljit Kaur was shot dead in Green Park by a cleanshaven young man this afternoon and her daughter Rachhpal Kaur was seriously injured. Ther man took away some jewellery from the house. Rachhpal Kaur has been admitted to hospital.

Punjab Sanatan